शास्त्रों से लिए गए उद्धरणों का परिचय :

आपके लिए श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१९ के सन्देश का और गहराई से अन्वेषण करने का एक प्रेरक तरीक़ा है, भारत के शास्त्रों से प्रज्ञान के तेजोमय व नित्य रहस्योद्घाटन करने वाले शब्दों पर चिन्तन-मनन करना। आपको यहाँ जो उद्धरण मिलेंगे उनका उद्देश्य मन के गहन व जटिल स्वरूप को समझने में साधक की सहायता करना है। ये उद्धरण विभिन्न शास्त्रों से लिए गए हैं, जैसे वेद, उपनिषद् और श्रीभगवद्गीता।

आप, ऋषियों के इन सारगर्भित वचनों को फलदायी बीजों के रूप में ग्रहण कर सकते हैं। जब आप जिज्ञासा एवं मननशील संकल्प के साथ उन्हें पढ़ते हैं तो उनमें निहित ज्ञान व अन्तर्दृष्टियाँ आपके अन्तर में फलने-फूलने और जड़ पकड़ने लगती हैं जिससे वह समझ प्रकट होती है जो निरन्तर सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती जाती है। इस तरह आप उन महात्माओं के समयातीत प्रज्ञान को खोजने व उससे जुड़ने का एक मधुर प्रयत्न करते हैं, जिन्होंने साधकों की आने-वाली पीढ़ियों को विरासत में ये ग्रन्थ प्रदान किए हैं।

श्रीगुरुमाई कहती हैं, "महापुरुषों से व शास्त्रों से जो सिखावनियाँ तुम सुनते हो, वे सिखावनियाँ अन्तर में एक कल्याणकारी अग्नि प्रज्वलित करती हैं।"[१] इन ग्रन्थों को यह शक्ति, उनके रचयिता के आत्मज्ञान की अवस्था से मिलती है — उन ऋषि-मुनियों से जिन्हें सत्य का प्रत्यक्ष ज्ञान था। अपने गहनतम स्तर पर, ऋषि-मुनियों के शब्दों में यह सामर्थ्य होती है कि वे हमारी अपनी दिव्यता और जिस संसार में हम रहते हैं उसमें सन्निहित दिव्यता के बोध को हमारे अन्दर प्रज्वलित कर दें। ऋषि-मुनियों द्वारा उदारतापूर्वक प्रदान किए गए प्रज्ञान पर हम जितना अधिक चिन्तन-मनन करके उसे आत्मसात् करते हैं, वह हमारे अन्दर उतना ही गहरा उतरकर हममें महान रूपान्तरण लाता है।

इन ग्रन्थों का अन्वेषण कैसे करें, इसके बारे में कुछ सुझाव यहाँ दिए गए हैं :

- उद्धरण को पढ़ें, उसे दोबारा पढ़ें और उस पर मनन करें। उसे अलग-अलग दृष्टिकोण से देखें, मानो आप किसी प्रिज़्म की जाँच कर रहे हों। शब्दों के अर्थ व उनकी बारीकियों को खोजें, उनके समानार्थी शब्द भी ढूढ़ें। स्वयं से पूछें, "ये सभी अर्थ मुझे उद्धरण के बारे में क्या बताते हैं?"
- शब्दों को कण्ठस्थ कर लें और दिन में टहलते समय या रात में बरतन साफ़ करते समय ऊँचे स्वर में इन्हें दोहराएँ!

- हर शास्त्रीय ग्रन्थ की व्याख्या में आपको एक सुझाव मिलेगा जो आपको बताएगा कि इनकी सिखावनियों को वर्ष २०१९ के श्रीगुरुमाई के सन्देश के अध्ययन में कैसे लागू करें।
- कल्पना करें कि आप अपने दैनिक जीवन में और अपनी साधना में सिखावनियों का परिपालन कैसे कर सकते हैं।
- जब आप इस प्रकार उक्तियों का अन्वेषण करेंगे तो अलग-अलग अन्तर्दृष्टियाँ उभरने लगेंगी। इन्हें अपने जर्नल में लिख लें और ऐसे तरीक़े खोजें जिनसे ये अन्तर्दृष्टियाँ श्रीगुरुमाई के नववर्ष-सन्देश को समझने व उसे लागू करने में आपकी सहायता कर सकती हैं।
- अंग्रेज़ी पृष्ठ पर दिए गए "Share your experience" पर क्लिक करें और सार्वभौमिक सिद्धयोग संघम् में अन्य साधकों को उन रचनात्मक तरीक़ों के बारे में बताएँ जिनके द्वारा आप श्रीगुरुमाई के नववर्ष-सन्देश का अध्ययन करते हैं व उसे लागू करते हैं।

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

[१] गुरुमाई चिद्विलासानन्द, *Enthusiasm* [साउथ फॉल्सबर्ग, न्यूयॉर्क : एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन, १९९७], पृ ४१।